जबलपुर | रविवार | 2 अगस्त 2026 | वर्ष 77 | अंक 190 | पृष्ठ 12 | मूल्य रु. 5.00
navabharat.com | twitter.com/Nava_Bharat | fb.me/NavaBharat.Social

नव भारत

राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

5 एग्रो-होम्योपैथी कृषि क्षेत्र की नई संभावना

6 अहंकार की मृत्यु ही जीवन का सच्चा उत्सव

7 भारतीय ज्ञान परम्परा और हृदय रोग

8 अभी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म से कुछ दूर हूं: नीरज

ग्लासगो में भारत की जय हो

1 जैस्मिन-प्रीति और सोमन का गोल्डन पंच, भारत को 3 पदक

2 बॉक्सिंग और पैरा एथलेटिक्स में भारत का स्वर्णिम प्रदर्शन

3 5 स्वर्ण पदक, दो रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किए

4 पुरुषों की डेकाथलॉन स्पर्धा में कुल 7,976 अंक हासिल

नई दिल्ली, 1 अगस्त. कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत का शानदार अभियान लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है. शनिवार को भारतीय खिलाड़ियों ने बॉक्सिंग, पैरा एथलेटिक्स और एथलेटिक्स में दमदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किए. इसके साथ ही भारत के कुल पदकों की संख्या 34 पहुंच गई, जिनमें 11 स्वर्ण पदक शामिल हैं. इस प्रदर्शन के दम पर भारत पदक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गया है.

दिन की सबसे बड़ी सफलता महिला बॉक्सिंग से मिली. वहीं, तीस मिनट में यह दूसरा गोल्ड भारत जीता ने, जैस्मिन ने पूरे टूर्नामेंट में आक्रामक खेल दिखाया और फाइनल में भी अपने अनुभव का शानदार प्रदर्शन किया. इससे पहले वह 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में कांस्य पदक जीत चुकी थीं, जबकि 2025 विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप और विश्व बॉक्सिंग कप फाइनल में भी गोल्ड जीत चुकी हैं.

फाइनल मुकाबलों में उतरेंगे कई दिग्गज : पुरुष 55 किलोग्राम बॉक्सिंग फाइनल में भारत के जादुमणि सिंह को ऑस्ट्रेलिया के जाई डिकसन से हार का सामना करना पड़ा और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा. इसके बावजूद भारत के लिए दिन बेहद सफल रहा. अब भारतीय दल की उम्मीदें सात और मुक्केबाजों पर टिकी हैं. साक्षी चौधरी, प्रिया घंघास, अरुंधति चौधरी, लवलीना बोरगोहेन, सचिन सिवाच, अंकुश पंघाल और नरेंद्र बरवाल अपने-अपने वर्गों के फाइनल मुकाबलों में उतरेंगे.

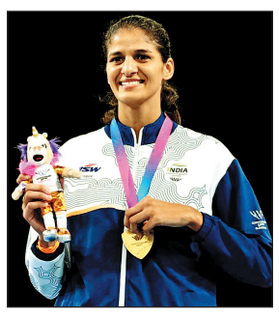

जैस्मीन लैंबोरिया (गोल्ड पदक)

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाज जैस्मीन लैंबोरिया ने महिला 57 किलोग्राम वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया. फाइनल मुकाबले में उन्होंने उत्तरी आयरलैंड की चार बार गोल्डमेडलिस्ट जितने वाले मुक्केबाज मिकायला वॉल्श को 5-0 के एकतरफा फैसले से हराकर भारत को गोल्ड दिलाया.

प्रीति पवार (गोल्ड पदक)

भारत को दूसरा स्वर्ण 54 किलोग्राम वर्ग में प्रीति पवार ने दिलाया. उन्होंने कनाडा की सवाना डोलमागो को हराकर गोल्ड पर कब्जा जमाया. हरियाणा की रहने वाली प्रीति पहले ही एशियन चैंपियनशिप, एशियन गेम्स और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप में शानदार प्रदर्शन कर चुकी हैं. वह 2024 पेरिस ओलंपिक में भी भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं.

सोमन राणा (गोल्ड पदक)

पैरा एथलेटिक्स की एफ-57 शॉटपुट स्पर्धा में भारत के सोमन राणा ने 13.40 मीटर का सीजन बेस्ट थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता. इसी स्पर्धा में भारत के शुभम जुयाल ने 13.28 मीटर का थ्रो कर रजत पदक हासिल किया. एफ-57 वर्ग में ऐसे खिलाड़ी शामिल होते हैं जिनके निचले अंग प्रभावित होते हैं, लेकिन ऊपरी शरीर पूरी तरह सक्षम होता है.

पदक तालिका

11	15	08	34
कुल स्वर्ण पदक	कुल रजत पदक	कुल कांस्य पदक	कुल पदक

पीएम मोदी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, भारतीय खिलाड़ी लगातार इतिहास रच रहे हैं और देश का मान बढ़ा रहे हैं. तेजस्विन शंकर ने ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल में पुरुषों की डेकाथलॉन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता है. उन्होंने 10 स्पर्धाओं में शानदार ऑल-राउंड प्रदर्शन किया. उन्हें बधाई. वे ऐसे ही चमकते रहें.

तेजस्विन ने जीता कांस्य

भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर ने ग्लासगो में शुक्रवार को राष्ट्रमंडल खेल 2026 की डेकाथलॉन स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता.

ट्रिपल जंप में प्रवीण ने रजत और सेल्वा प्रभु ने जीता कांस्य

भारतीय एथलीट प्रवीण चित्रवेल और सेल्वा प्रभु थिरुमारन ने पुरुषों की ट्रिपल जंप स्पर्धा के फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते. इसी के साथ लगातार कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए ट्रिपल जंप में दो पोडियम फिनिश किये. प्रवीण चित्रवेल तमिलनाडु के तंजावुर जिले के एक गांव से ताल्लुक रखते हैं. उनका जन्म आर्थिक रूप से कमजोर परिवार में हुआ. उनके पिता दिहाड़ी पर खेतों में मजदूरी करते थे, जबकि उनकी मां गृहिणी हैं. प्रवीण के एथलेटिक्स करियर की शुरुआत 2018 के पहले खेलो इंडिया स्कूल गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने के साथ हुई.

एक होकर भारत के युवाओं को सोचना होगा : डोभाल

डोभाल लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

पुणे, 1 अगस्त. राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को शनिवार को प्रतिष्ठित लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया. पुणे में आयोजित समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया.

समारोह राष्ट्र निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा और युवाओं की भूमिका पर केंद्रित रहा, जहां डोभाल और शाह दोनों ने देश के भविष्य, सुरक्षा और जिम्मेदार नागरिकता को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिए. पुरस्कार स्वीकार करने के बाद अजीत डोभाल ने अपने संबोधन में कहा कि आज के युवाओं को यह समझना होगा कि स्वतंत्रता का अर्थ केवल अपनी इच्छानुसार जीवन जीना नहीं है. उन्होंने कहा कि आजादी अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, बलिदान और संघर्ष का परिणाम है, इसलिए इसके साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन भी उतना ही आवश्यक है. उन्होंने कहा कि यदि कभी व्यक्तिगत हित और राष्ट्रहित के बीच चुनाव की स्थिति आए तो हर युवा को राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए. एक होकर भारत के युवाओं को सोचना पड़ेगा.

डोभाल ने कहा कि भारत आज अपने इतिहास के एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है. देश के सामने आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और वैश्विक नेतृत्व का अभूतपूर्व अवसर है.उन्होंने कहा कि यह समय व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं से ऊपर उठकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का है. उन्होंने विश्वास जताया कि यदि युवा सही दिशा में आगे बढ़े तो भारत आने वाले वर्षों में नई ऊंचाइयों को हासिल करेगा.

एक नजर में

कमर्शियल सिलेंडर में 200 रुपए की कटौती

नई दिल्ली. सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों ने शनिवार को प्रमुख शहरों में 19-किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 200 रुपए से अधिक की कटौती की। इससे रेस्तरां, होटल और खाना पकाने के लिए इस ईंधन पर निर्भर अन्य कमर्शियल प्रतिष्ठानों को राहत मिली है। दिल्ली और कोलकाता में 19-किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 200 रुपए से अधिक की कमी की गई है।

राज्यों को जारी किए 1.09 लाख करोड़

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने राज्यों को विकास कार्यों को गति देने के लिए 1,09,019 करोड़ रुपए की अतिरिक्त कर हस्तांतरण राशि जारी की. यह राशि 10 अगस्त को जारी होने वाले नियमित मासिक कर हस्तांतरण से अलग है. 1 अगस्त को यह अतिरिक्त राशि जारी करना राज्यों की वित्तीय क्षमता को मजबूत करने और उन्हें विकास परियोजनाओं तथा पूंजीगत निवेश में तेजी लाने के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का हिस्सा है.

भारत-चीन व्यापार हुआ फिर शुरू

2020 में बंद व्यापार अब नई व्यवस्थाओं के साथ शुरू

36 वस्तुओं की सूची को दोनों देशों ने व्यापार के लिए बरकरार रखा

नई दिल्ली, 1 अगस्त. भारत और चीन के बीच करीब छह साल बाद सीमा व्यापार एक बार फिर शुरू हो गया है. शनिवार से सिक्किम के नाथू ला दर्रे और उत्तराखंड के लिपुलेख दर्रे के जरिए दोनों देशों के बीच सीमापार व्यापारिक गतिविधियां बहाल हो गई हैं.

कोविड-19 महामारी के दौरान वर्ष 2020 में बंद हुआ यह व्यापार अब नई व्यवस्थाओं और सुरक्षा प्रबंधों के साथ दोबारा शुरू किया गया है. इसे सीमावर्ती क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था, स्थानीय व्यापार और भारत-चीन संबंधों में विश्वास बहाली की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. सिक्किम स्थित नाथू ला दर्रा, जिसे ऐतिहासिक सिल्क रूट का हिस्सा माना जाता है, एक अगस्त से आधिकारिक रूप से व्यापार के लिए खोल दिया गया है. यह मार्ग हर वर्ष मई से नवंबर तक छह महीने खुला रहेगा. निर्धारित व्यवस्था के अनुसार सीमा व्यापार सोमवार से गुरुवार तक संचालित होगा. दोनों देशों ने फिलहाल पहले से स्वीकृत 36 वस्तुओं की सूची को बरकरार रखा है, जिनके आयात-निर्यात की अनुमति होगी.

भारत की ओर से चीन को भेजे जाने वाले सामानों में हस्तशिल्प, हैंडलूम उत्पाद, कंबल, कृषि उपकरण, प्रोसेस्ड फूड, सूखी सब्जियां, मसाले, रेडीमेड वस्त्र, बर्तन और पारंपरिक धार्मिक सामग्री शामिल हैं. वहीं तिब्बत की ओर से भारत में आने वाले सामानों में याक से जुड़े उत्पाद, मक्खन, बोरेक्स, जूते, रेडीमेड कपड़े, बकरियां, रजाइयां और अन्य स्वीकृत वस्तुएं शामिल हैं.

कॉलेजियम पर सुप्रीम कोर्ट के जज ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 1 अगस्त. सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस उज्जल भुइयां ने न्यायिक नियुक्तियों की मौजूदा कॉलेजियम प्रणाली में पारदर्शिता की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि जजों की नियुक्ति और पदोन्नति से जुड़ी प्रक्रिया अधिक खुली और जवाबदेह होनी चाहिए.

उन्होंने कहा कि जब नियुक्तियों के पीछे के कारण सार्वजनिक नहीं किए जाते, तो इससे न केवल न्यायपालिका की विश्वसनीयता प्रभावित होती है बल्कि ऐसे लोगों के चयन की आशंका भी बढ़ जाती है, जिनके सार्वजनिक विचार संविधान के मूल्यों के अनुरूप नहीं हों. नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान द ज्यूडिशियल ट्रांसपेरेंसी इंडेक्स रिपोर्ट जारी करते हुए जस्टिस भुइयां ने कहा कि न्यायाधीश बनने वाले उम्मीदवारों के बारे में सार्वजनिक चर्चा होने में कोई नुकसान नहीं है. उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों को यह जानने का अधिकार है कि किन लोगों को न्यायपालिका जैसी महत्वपूर्ण संस्था की जिम्मेदारी सौंपी जा रही है. उन्होंने कहा कि यदि नियुक्ति प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता होती और उम्मीदवारों के बारे में सार्वजनिक स्तर पर चर्चा होती, तो ऐसे व्यक्तियों की नियुक्ति रोकी जा सकती थी जो बाद में किसी समुदाय या वर्ग के लोगों के बारे में विवादास्पद या असंवैधानिक टिप्पणियां करते हैं.

लोगों के समूहों को चींटी जैसी उपमा देने वाले बनते हैं जज

अपने संबोधन में उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि ऐसे लोग भी न्यायपालिका तक पहुंच जाते हैं जो लोगों के समूहों को चींटी जैसी उपमा देते हैं, जबकि इस तरह की टिप्पणियां संविधान की मूल भावना और समानता के सिद्धांत के विपरीत हैं. हालांकि उन्होंने किसी न्यायाधीश का नाम नहीं लिया. जस्टिस भुइयां ने कॉलेजियम प्रणाली की गोपनीयता पर भी सवाल उठाए.

पेपर लीक पर सख्त कानून को राष्ट्रपति की मंजूरी

नई दिल्ली, 1 अगस्त. सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक और अन्य अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा लाया गया पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) संशोधन अधिनियम, 2026 अब लागू होने की दिशा में आगे बढ़ गया है.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस संशोधन कानून को अपनी मंजूरी दे दी है. शुक्रवार को कानून मंत्रालय द्वारा जारी राजपत्र (गजट) अधिसूचना के साथ यह जानकारी सार्वजनिक की गई. इससे पहले इस विधेयक को संसद के दोनों सदनों ने इसी सप्ताह पारित किया था.

मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद रुचिका पर एफआईआर

नई दिल्ली. दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और कथित अनियमितताओं के खिलाफ हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक भाषा के इस्तेमाल का मामला अब कानूनी मोड़ ले चुका है.

रुचिका सिंह नाम की युवती के खिलाफ जीरो एफआईआर दर्ज किए जाने की बात सामने आई है. आरोप है कि प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री के खिलाफ अमर्यादित और आपत्तिजनक नारे लगाए गए थे. घटना के बाद राजनीतिक अभिव्यक्ति की आजादी, विरोध प्रदर्शन और किसी निर्वाचित नेता के अपमान के बीच कानूनी सीमा को लेकर बहस तेज हो गई है. प्रदर्शन कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरोध में आयोजित किया गया था. प्रदर्शन के दौरान कही गई कथित आपत्तिजनक बात के बाद पुलिस कार्रवाई की जानकारी सामने आई.

10 किलो फाइबर सिलेंडर मिलेगा तुरंत कनेक्शन के साथ

नई दिल्ली, 01 अगस्त. भारी-भरकम लोहे के गैस सिलेंडर से राहत देने के लिए भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड ने नया भारतगैस लाइट जिप फाइबर एलपीजी सिलेंडर लॉन्च किया है. 10 किलोग्राम क्षमता वाले इस हल्के सिलेंडर की शुरुआत कर्नाटक के मैंगलुरु से की गई है. खास बात यह है कि इसके लिए ग्राहकों को सामान्य गैस कनेक्शन प्रक्रिया का इंतजार नहीं करना होगा, बल्कि तत्काल कनेक्शन और एक्सप्रेस डिलीवरी की सुविधा मिलेगी.

युवाओं को साधने भाजपा और कांग्रेस में छिड़ा रणनीतिक युद्ध

प्रवेश कुमार मिश्र

नई दिल्ली, 01 अगस्त. भारतीय राजनीति में युवाओं को साधने को लेकर एक बड़ा रणनीतिक बदलाव साफ नजर आ रहा है. देश का युवा वर्ग, विशेषकर जेन-जी अब किसी एक राजनीतिक विचारधारा से बंधकर रहने को तैयार नहीं है.

इस युवा आबादी की बदलती प्राथमिकताओं, बढ़ती आकांक्षाओं और हालिया मुद्दों ने देश के दो सबसे बड़े राजनीतिक चेहरों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को अपनी-अपनी रणनीतियों में भारी फेरबदल करने पर मजबूर कर दिया है. जहाँ एक तरफ भाजपा अपनी पकड़ एकबार फिर से मजबूत करने के लिए बहुस्तरीय रणनीति के साथ नए प्रयोग कर रही है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस एक आक्रामक और सीधे संपर्क वाले नैरेटिव के साथ युवा दिलों में जगह बनाने में जुट गई है.

जानकार बता रहे हैं कि भारतीय राजनीति में पिछले एक दशक यानी 2014 से 2026 का इतिहास गवाह रहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत देश का युवा वर्ग रहा है. चाहे वह स्टार्टअप इंडिया का नैरेटिव हो या डिजिटल क्रांति, युवाओं ने हमेशा मोदी ब्रांड पर भरोसा जताया. लेकिन हालिया समय में, विशेषकर देशव्यापी प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक विवाद, रोजगार की धीमी रफ्तार और युवा आंदोलनों ने इस अभेद्य किले में दरारें दिखा दी हैं.

भाजपा भली-भांति जानती है कि साल 2024 के लोकसभा चुनाव में देश के करीब 18 फीसदी मतदाता जेन-जी श्रेणी के थे .जबकि 2029 में होने वाले आम चुनाव तक यह हिस्सेदारी बढ़कर लगभग 22 फीसदी हो जाएगी. संभवत: इसी वजह से इस विशालकाय और निर्णायक आबादी को नजरअंदाज करना किसी भी राजनीतिक दल के लिए आत्मघाती हो सकता है. इसलिए युवाओं के बीच घटती पकड़ को दोबारा मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश पर पार्टी ने एक नई रणनीति पर काम शुरू किया है. इसके तहत भाजपा अब एकतरफा भाषणों के बजाय युवाओं के साथ सीधे संवाद के सत्र आयोजित कर रही है. इसके तहत छात्रों की शिकायतों को सुनना और उन पर तुरंत नीतिगत कदम उठाना शामिल है .इसके साथ ही उन्होंने सभी केंद्रीय मंत्रियों को निर्देश दिया है कि वे अपनी उपलब्धियों और जटिल नीतियों को लंबे भाषणों के बजाय छोटे रील्स और विजुअल एक्सप्लेनर्स के रूप में पेश करें.

लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश को दी बड़ी सौगात, 17,900 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

दुनिया के विकास को गति दे रहे भारतीय युवा

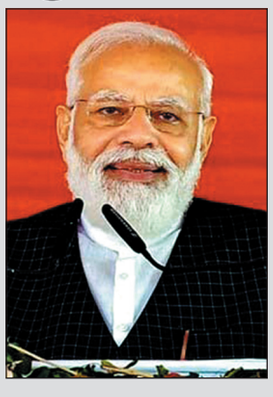

अमरावती, 1 अगस्त. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले के भोगपुरम में करीब 17,900 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास किया. उन्होंने कहा कि दुनिया के विकास को भारतीय युवा गति दे रहे है.

इस दौरान उन्होंने नवनिर्मित अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह परियोजना उत्तर आंध्र की आर्थिक प्रगति, पर्यटन, निवेश और रोजगार के नए अवसरों का आधार बनेगी. प्रधानमंत्री ने कहा कि आधुनिक बुनियादी ढांचा किसी भी राज्य के विकास की रीढ़ होता है और केंद्र सरकार आंध्र प्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने के लिए निरंतर सहयोग कर रही है. प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर परोक्ष निशाना साधते हुए कहा कि पहले देश में हवाई अड्डों के नाम अक्सर एक ही राजनीतिक परिवार तक सीमित रखे जाते थे.

युवाओं को प्रेरित करते हैं स्वामी विवेकानंद के विचार

मैसूर. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक के मैसूरु स्थित श्री रामकृष्ण आश्रम में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक युवा केंद्र विवेक स्मारक का उद्घाटन किया. यह स्मारक स्वामी विवेकानंद के विचारों, युवाओं के सशक्तिकरण और भारत की आध्यात्मिक-सांस्कृतिक विरासत को समर्पित एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में प्रेरणा देगा. इस दौरान, उपस्थित लोगों संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, भारत की अनादि सांस्कृतिक चेतना का केंद्र रहा है, यहाँ के मंदिर, यहां की परंपराएं और उत्सव, मैसूरू का दशहरा, यहाँ के भव्य महल, यहाँ का संगीत और साहित्य-भारत की समृद्ध विरासत इस शहर के कण-कण में रची-बसी है, यह देखकर बहुत संतोष होता है कि इस शहर ने अपनी इस विरासत को उसी कुशलता से सहेजा भी है और संवारा भी है.

आज नशा मुक्त अभियान की शुरुआत करेंगे मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को वीडियो कांफ्रेन्स के जरिए नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान की शुरुआत करेंगे. प्रधानमंत्री कार्यालय ने शनिवार को बताया कि इस पहल का मकसद युवाओं को नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने के लिए प्रेरित करना और उन्हें अपने समुदायों में सकारात्मक सामाजिक बदलाव का दूत बनने के लिए प्रोत्साहित करना है.